भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता में सफाईमित्र सुरक्षा शिविर आयोजित

26 सितम्बर, 2024, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' के अंतर्गत 'सफाईमित्र सुरक्षा शिविर' का आयोजन न केवल एक सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है, बल्कि यह एक संवेदनशील और कलात्मक पहल भी है जो स्वच्छता और सम्मान के गहरे संबंध को उजागर करती है। यह शिविर सफाई कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता और उनके कल्याण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का एक सुंदर उदाहरण है।

संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने अपनी सारगर्भित वाणी में सफाई कर्मचारियों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण की एक नींव के रूप में प्रस्तुत किया। उनका यह कथन कि हमें अपने भीतर की स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए, एक गहरी आध्यात्मिक दृष्टि को दर्शाते हुए हमें यह सोचने पर विवश करता है कि बाहरी स्वच्छता का दायित्व निभाने वाले इन नायकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए। डॉ. डे ने 'वन हेल्थ' अवधारणा पर बल देते हुए स्वच्छता और जीवन की गुणवत्ता के मध्य संबंध को एक सिक्के के दो पहलू के रूप में प्रस्तुत किया। यह दृष्टिकोण हमें यह समझने में मदद करता है कि कैसे एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बीमारियों के प्रसार को रोकने में सहायक हो सकता है और जीवन को अधिक सुखद बना सकता है।

शिविर में सफाईमित्रों को फलों की टोकरी और व्यक्तिगत सुरक्षा किट, जैसे दस्ताने, मास्क और साबुन प्रदान करना न केवल उनके शारीरिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए था, बल्कि यह उनके योगदान की एक सजीव सराहना भी थी। यह एक ऐसा संदेश था जो स्वच्छता की महत्ता को कला और संवेदनशीलता के माध्यम से व्यक्त करता है, और साथ ही यह संकेत भी देता है कि एक बेहतर समाज की दिशा में स्वच्छता के प्रति जागरूकता ही पहला कदम है।

बैठक में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और परियोजना कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. एस.के. मंडल, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. पी.पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।